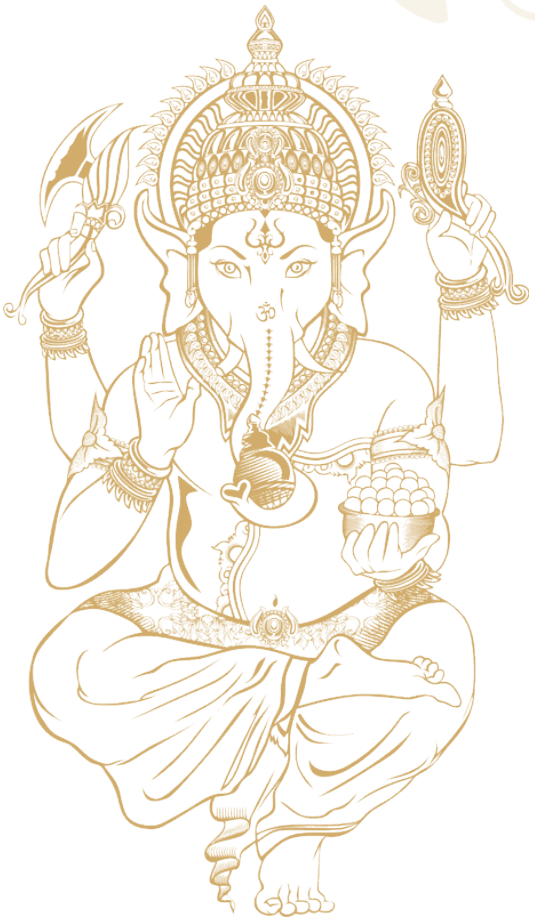

Manjit

18 Jun 1991

04:25 AM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121961403

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
17-18/06/1991	जन्म तिथि	17-18/06/2026
सोम-मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 04:25:00	जन्म समय	03:46:28 घंटे
घटी 57:48:59	जन्म समय(घटी)	56:12:27 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:17:24	सूर्योदय	05:17:29
19:26:49	सूर्यास्त	19:26:58
23:44:32	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:44

वृष	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
सिंह	राशि	कर्क
सूर्य	राशि-स्वामी	चन्द्र
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	पुष्य
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	3
वज्र	योग	व्याघात
गर	करण	वणिज
टा-टाटा	जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
वनचर	वश्य	जलचर
मूषक	योनि	मेष
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मेष
35	गत/तत्कालिक वर्ष	36

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
रोहिणी	3	18:39:09	वृष			लग्न			वृष	08:28:13	4	कृतिका
मृगशिरा	3	02:30:14	मिथु			सूर्य			मिथु	02:30:14	3	मृगशिरा
पू०फाल्गुनी	2	17:09:58	सिंह			चंद्र			कर्क	11:59:10	3	पुष्य
आश्लेषा	1	19:32:17	कर्क			मंगल			मेष	27:56:38	1	कृतिका
मृगशिरा	4	03:27:02	मिथु		अ	बुध			मिथु	26:53:08	3	पुनर्वसु
आश्लेषा	1	18:08:55	कर्क			गुरु			कर्क	03:11:07	4	पुनर्वसु
आश्लेषा	1	17:48:03	कर्क			शुक्र			कर्क	10:58:30	3	पुष्य
श्रवण	1	12:18:39	मक	व		शनि			मीन	19:15:58	1	रेवती
पूर्वाषाढ़ा	4	25:23:13	धनु			राहु	व		कुंभ	07:43:15	1	शतभिषा
पुनर्वसु	2	25:23:13	मिथु			केतु	व		सिंह	07:43:15	3	मघा
पूर्वाषाढ़ा	2	18:44:08	धनु	व		मु			मेष	18:39:09	2	भरणी

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:44

लग्न-चलित

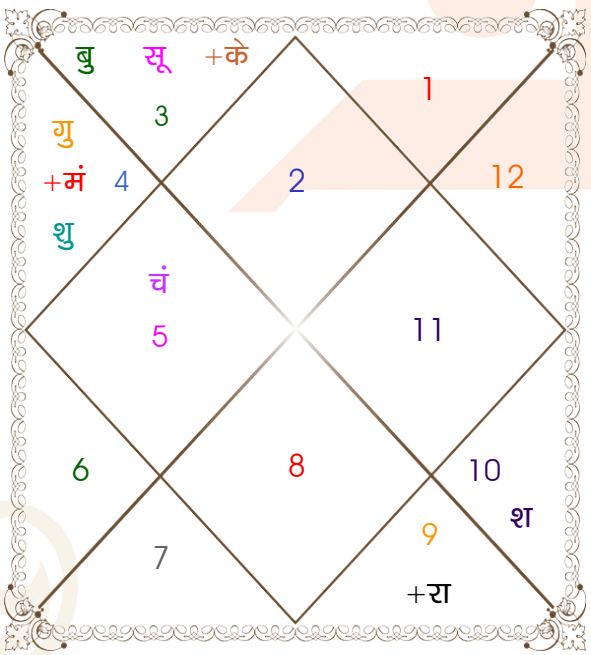

वर्ष लग्न कुंडली

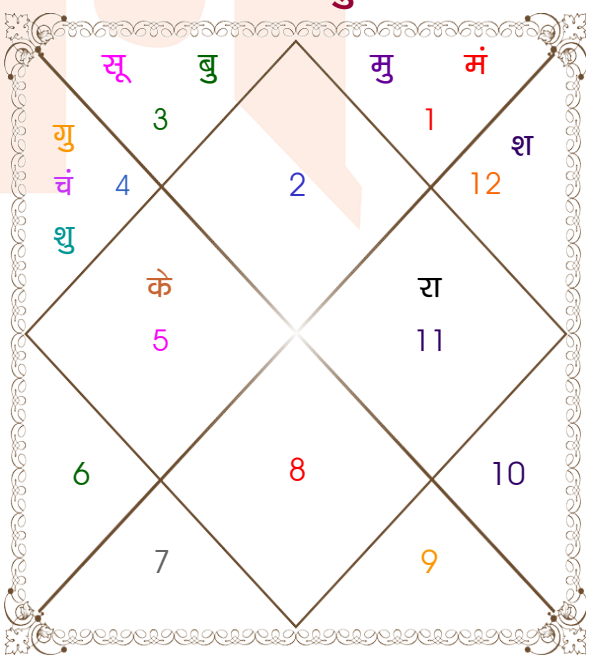

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - केतु - शुक्र		मंगल - केतु - सूर्य		मंगल - केतु - चंद्र		मंगल - केतु - मंगल	
24/03/2026 15:45		18/04/2026 12:19		25/04/2026 23:18		08/05/2026 09:35	
18/04/2026 12:19		25/04/2026 23:18		08/05/2026 09:35		17/05/2026 02:23	
शुक्र	28/03/2026 19:11	सूर्य	18/04/2026 21:16	चंद्र	27/04/2026 00:09	मंगल	08/05/2026 21:46
सूर्य	30/03/2026 01:00	चंद्र	19/04/2026 12:11	मंगल	27/04/2026 17:33	राहु	10/05/2026 05:05
चंद्र	01/04/2026 02:43	मंगल	19/04/2026 22:38	राहु	29/04/2026 14:18	गुरु	11/05/2026 08:56
मंगल	02/04/2026 13:31	राहु	21/04/2026 01:28	गुरु	01/05/2026 06:04	शनि	12/05/2026 17:59
राहु	06/04/2026 07:01	गुरु	22/04/2026 01:20	शनि	03/05/2026 05:18	बुध	13/05/2026 23:34
गुरु	09/04/2026 14:33	शनि	23/04/2026 05:40	बुध	04/05/2026 23:33	केतु	14/05/2026 11:45
शनि	13/04/2026 13:01	बुध	24/04/2026 07:02	केतु	05/05/2026 16:57	शुक्र	15/05/2026 22:33
बुध	17/04/2026 01:31	केतु	24/04/2026 17:28	शुक्र	07/05/2026 18:40	सूर्य	16/05/2026 08:59
केतु	18/04/2026 12:19	शुक्र	25/04/2026 23:18	सूर्य	08/05/2026 09:35	चंद्र	17/05/2026 02:23

मंगल - केतु - राहु		मंगल - केतु - गुरु		मंगल - केतु - शनि		मंगल - केतु - बुध	
17/05/2026 02:23		08/06/2026 11:18		28/06/2026 08:34		21/07/2026 23:19	
08/06/2026 11:18		28/06/2026 08:34		21/07/2026 23:19		12/08/2026 02:24	
राहु	20/05/2026 10:55	गुरु	11/06/2026 02:56	शनि	02/07/2026 02:18	बुध	24/07/2026 23:09
गुरु	23/05/2026 10:31	शनि	14/06/2026 06:30	बुध	05/07/2026 10:35	केतु	26/07/2026 04:44
शनि	26/05/2026 23:31	बुध	17/06/2026 02:07	केतु	06/07/2026 19:39	शुक्र	29/07/2026 17:15
बुध	30/05/2026 03:35	केतु	18/06/2026 05:57	शुक्र	10/07/2026 18:06	सूर्य	30/07/2026 18:36
केतु	31/05/2026 10:54	शुक्र	21/06/2026 13:30	सूर्य	11/07/2026 22:27	चंद्र	01/08/2026 12:51
शुक्र	04/06/2026 04:24	सूर्य	22/06/2026 13:22	चंद्र	13/07/2026 21:40	मंगल	02/08/2026 18:26
सूर्य	05/06/2026 07:14	चंद्र	24/06/2026 05:08	मंगल	15/07/2026 06:44	राहु	05/08/2026 22:30
चंद्र	07/06/2026 03:59	मंगल	25/06/2026 08:58	राहु	18/07/2026 19:45	गुरु	08/08/2026 18:07
मंगल	08/06/2026 11:18	राहु	28/06/2026 08:34	गुरु	21/07/2026 23:19	शनि	12/08/2026 02:24

मंगल - शुक्र - शुक्र		मंगल - शुक्र - सूर्य		मंगल - शुक्र - चंद्र		मंगल - शुक्र - मंगल	
12/08/2026 02:24		22/10/2026 02:54		12/11/2026 10:15		17/12/2026 22:30	
22/10/2026 02:54		12/11/2026 10:15		17/12/2026 22:30		11/01/2027 19:04	
शुक्र	23/08/2026 22:29	सूर्य	23/10/2026 04:28	चंद्र	15/11/2026 09:16	मंगल	19/12/2026 09:18
सूर्य	27/08/2026 11:42	चंद्र	24/10/2026 23:05	मंगल	17/11/2026 10:59	राहु	23/12/2026 02:47
चंद्र	02/09/2026 09:45	मंगल	26/10/2026 04:54	राहु	22/11/2026 18:49	गुरु	26/12/2026 10:20
मंगल	06/09/2026 13:11	राहु	29/10/2026 09:37	गुरु	27/11/2026 12:27	शनि	30/12/2026 08:47
राहु	17/09/2026 04:51	गुरु	01/11/2026 05:47	शनि	03/12/2026 03:24	बुध	02/01/2027 21:18
गुरु	26/09/2026 16:07	शनि	04/11/2026 14:45	बुध	08/12/2026 04:08	केतु	04/01/2027 08:06
शनि	07/10/2026 22:00	बुध	07/11/2026 15:12	केतु	10/12/2026 05:51	शुक्र	08/01/2027 11:32
बुध	17/10/2026 23:28	केतु	08/11/2026 21:01	शुक्र	16/12/2026 03:53	सूर्य	09/01/2027 17:22
केतु	22/10/2026 02:54	शुक्र	12/11/2026 10:15	सूर्य	17/12/2026 22:30	चंद्र	11/01/2027 19:04

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप कफ तथा शीतादि रोगों से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी अशान्त तथा व्याकुल रहेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपसी सहयोग एवं सुख के भाव में न्यूनता रहेगी तथा यदा कदा संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा जिससे परस्पर कष्ट प्राप्त होगा। इस समय दुष्ट मनष्यों तथा चोर आदि से भी परेशानी होगी तथा घर में किसी चोरी की संभावना बनेगी। अतः आपको ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए। इस समय आपकी पारिवारिक सुख शान्ति भी अच्छी नहीं रहेगी तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से संबंधों में तनाव रहेगा फलतः उनसे विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी तथा दाम्पत्य जीवन भी प्रभावित रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष प्रतिकूल रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी तथा आपके लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे। इसके साथ ही नौकरी या राजनीति में भी कार्य संबधी परेशानी रहेगी तथा पदोन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से भी आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा ये लोग आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसे समय में इनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञा पालन में तत्परता रखें।आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त यात्रा आदि में भी हानि तथा कष्ट की संभावनाएं बनेगी अतः ऐसे समय में यात्रा की उपेक्षा करें। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत ही शान्तिपूर्वक व्यतीत करें तथा समय के बीतने की प्रतीक्षा करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।